शिक्षक - रवि शंकर राय विषय - अर्थशास्त्र

दिनांक - 28-07-2020 वर्ग - M.A. II

रोजगार का सिद्धान्त

Objective

मांग प्रेरित स्फीति हो सकती है— उपभोग व्यय में वृद्धि के कारण।

83. गुणक व्यक्त करता है → निवेश वृद्धि और आय वृद्धि के संबंध को।

84. फिशर के अनुसार मुद्रा की पूर्ति है ⇒ MV + M'V' ।

85. कीन्स के अनुसार 'सक्रिय शेष' वह मुद्रा है जो रखी जाती है → लेन-देन तथा पूर्वोपाय उद्देश्य से

86. LM अनुसूची है जहाँ — मुद्रा की मांग वस्तुओं के लिए मांग के बराबर होती है।

87. केन्स के अनुसार मुद्रा की मांग निर्भर करती है — आय और ब्याज दर दोनों पर।

88. यदि किसी वर्ष मुद्रा की आय चलन गति 3 हो तो अर्थव्यवस्था में कुल मुद्रा भंडार होगा - वास्तविक सकल राष्ट्रीय उत्पाद का 1/3

89. हिक्स हैनसन विश्लेषण जो निवेश बचत वक्र और तरलता मुद्रा पूर्ति वक्र की सहायता से किया गया है। यह बतलाता है कि जिन दो बजारो में एक साथ साम्य होता है वे है → वस्तु बजार और मुद्रा बजार।

90. फ्रीडमैन के अनुसार दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र का अकार होगा → Y अक्ष के समानान्तर।

91. कैम्ब्रिज समीकरण M = KPY में K का तात्पर्य है → मुद्रा के परिचलन वेग के विलोम से।

92. त्वरक के सिध्दान्त का प्रतिपादन किया - कॉलिन क्लार्क ने।

93. गुणक की अवधारणा सर्वप्रथम दी — कॉन ने।

94. यदि सीमान्त बचत प्रवृत्ति 0.2 हो तो गुणक का मान होगा 5.

95. यद्यपि ब्याज की दर मुद्रा की मांग और पूर्ति में साम्य के द्वारा निर्धारित होती है, तथापी कभी-कभी - मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि भी ब्याज दर को घटा नही पाती है — यह विचार दिया → J. M. केन्स।

96. एक वस्तु विनिमय अर्थव्यवस्था में 10 वस्तुओं के लिए सापेक्ष कीमत होगी — 45.

97. बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से हटा देती है — ग्रेशम के अनुसार

केन्स जिस मुद्रा स्फीति ~~के लिए~~ से बहुत चिंतित थे वह थी → मांग प्रेरित मुद्रा स्फीति।

99. यदि अन्य बातें समान्य हों तो मुद्रा का पूर्ति में वृद्धि का परिणाम होगा — आय का ऊंचा स्तर तथा ब्याज दर का नीचा स्तर।

100. निम्न में से किसकी मुद्रा की पूर्ति का विस्तृत माप माना जाता है — M_3।

101. निम्नलिखित में से कौन सा कथन मुद्रा की मांग के संबंध में सत्य है → आय के स्तर पर धनात्मक रूप से संबंधित तथा ब्याज की दर से ऋणात्मक रूप से संबंधित।

102. मुद्रा के परिमाण सिध्दांत का कैम्ब्रीज दृष्टिकोण मुद्रा के निम्न कार्यों पर अधिक बल देता है — मूल्य संग्रह।

103. केन्जीय सिध्दांत के अनुसार मुद्रा की मांग में वृद्धि होने पर → बांडो की मांग घट जाती है।

104. कीन्स के ब्याज दर सिध्दान्त में मुद्रा का पूर्ति वक्र सदैव होता है → लम्बवत्।

105. यदि अर्थव्यवस्था में वास्तविक राष्ट्रीय आय और मुद्रा का परिमाण ~~~~ स्थिर हैं, तो कैम्ब्रिज समीकरण में K में वृद्धि का परिणाम होगा → सापेक्ष मूल्य स्तर में कमी।

106. 1. सीमान्त उपभोग प्रवृति स्थिर होती है।
2. औसत उपभोग प्रवृति स्थिर होती है।
3. सीमान्त उपभोग प्रवृति, औसत उपभोग प्रवृति से कम होती है।

107. आय सिध्दान्त प्रस्तुत करने में कीन्स का दृष्टिकोण है → हैराडे के अर्थ में प्रावैगिक था।

108.

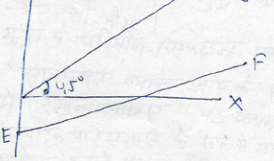

बगल में दिए गये आरेख में उपभोग फलन CC है। केन्जीय परिप्रेक्ष्य से संबंधित बचत फलन प्रदर्शित होगा → EF से।

मौद्रिक मजदूरी दर में कटौती केन्सियन विचार के अनुसार श्रम के लिए रोजगार की अवसर नहीं बढ़ती क्योंकि- इससे प्रभावी मांग नहीं बढ़ती है।

110. 1. उच्च शक्ति मुद्रा अर्थव्यवस्था में कुल मुद्रा पूर्ति का महत्वपूर्ण भाग होता है।
2. उच्चशक्ति मुद्रा अर्थव्यस्था मे मुद्रा प्रसार को आधार प्रदान करती है।
3. उच्च शक्ति मुद्रा को नियंत्रित किया जा सकता है।

111. केन्स की पुस्तक "General theory of Employment, Interest and Money" प्रकाशित हुई - 1936 में।

112. यदि Banking व्यवस्था को 1300 करोड़ रुपये प्राथमिक जमा के रुप में जमा हुआ तथा वह 12.5 %. CRR बनाए रखता है तो उसके पास जमा व्युत्पन्न में वृद्धि होगी — 10400 करोड़ रु०।

113. कैन्स के मुद्रा के मांग के बारे में त्रुटिपूर्ण होने का क्या कारण है:—
1. उसने मुद्रा की मांग को दो अलग-अलग भागो मे व्यक्त किया है।
2. उसने मुद्रा की मांग की ब्याज लोच को असीमित बताया है।
3. उसने परिसम्पति के रुप में मुद्रा को केवल एक ही विकल्प बांड पर विचार किया है।

114. निम्न में से कौन सा एक पूर्ण रोजगार की प्राप्ति में बाधक है → गैर लोचशील ब्याज दर।

115. ब्याज विशुद्ध रुप से एक मौद्रिक चर है।" यह विचार है → तरलता अधिमान सिध्दान्त का।

116. कीन्स के अनुसार विनियोक्ता बान्ड के अपेक्षा मुद्रा को अपने पास रखना पसंद करेंगे जबकी वे उम्मीद करते है — ब्याज दर मे गिरावट आयेगी।

117. निम्न में से कौन एक गुणक के मान मे रिसाव का कारण होगा → उपभोग वस्तुओ के मूल्य मे कमी।

118. IS- वक्र निम्नलिखित में से किन संयोगो को दर्शाता है → उंची ब्याज दर तथा निम्न आय स्तर के बीच।

119. कैन्ज के रोजगार सिध्दान्त में पूर्ण रोजगार का अर्थ है → सभी संसाधनो का पूर्ण रोजगार।

120. निम्न में से किसने मुद्रा को कल्याण के मापने का पैमाना बनाया → ए. सी. पीगू।

121. मुद्रा के परिमाण सिध्दान्त एक → तुलनात्मक स्थैतिक सिध्दांत है।

122. 'सामान्यतः व्यक्ति आय के एक निश्चित अंश को मुद्रा शेष के रुप में रखना चाहिए" यह कथन है → कैम्ब्रिज समीकरण है।

123. उत्पादक परिसम्पति के रुप में मानव परिसम्पति को मुद्रा के सिध्दान्त में उपभोग करने का श्रेय दिया जाता है → एम फ्रीडमैन को।